मध्य प्रदेश: क्वीन ऑन द व्हील

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड** ने राज्य में [पर्यटन](https://www.drishtiias.com/hindi) को बढ़ावा देने और महिला यात्रियों को सशक्त बनाने के लिये 'क्वीन ऑन द व्हील' महिला बाइकिंग टूर को हरी झंडी दिखाई।

- महिला बाइकिंग यात्रा का समापन **अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च)** के अवसर पर होगा।

मुख्य बिंदु:

- **प्रतिभागी: नागपुर में रहने वाली एक ब्राज़ीलियाई राइडर** सहित पूरे भारत से कुल **25 महिला बाइकर्स** इस दौरे में भाग ले रही हैं।
- **उद्देश्य**: इस दौरे का उद्देश्य मध्य प्रदेश को महिला यात्रियों के लिये एक **सुरक्षित और सशक्त** गंतव्य के रूप में स्थापित करना, महिला सशक्तीकरण तथा साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना है।
- **यात्रा कार्यक्रम:** बाइकर्स **चंदेरी, श्योपुर ज़िले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान, ग्वालियर, ओरछा और खजुराहो** का दौरा करेंगे तथा इन स्थानों की सुंदरता व संस्कृति का अनुभव करेंगे।
- **सुरक्षा सावधानियाँ:** पूरी सुरक्षा सावधानियाँ बरती गई हैं, जिसमें राइडर्स के साथ आने वाले मैकेनिकों के साथ एम्बुलेंस और सहायक वाहन भी शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों के लिये बीमा प्रदान किया गया है और आपात स्थिति में सहायता के लिये मार्ग की पूरी तरह से जाँच की गई है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

- **महिला दिवस पहली बार वर्ष 1911 में क्लारा ज़ेटकिन द्वारा मनाया गया था** , जो एक जर्मन महिला थीं। इस उत्सव की शुरुआत पूरे यूरोप और उत्तरी अमेरिका में श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई थी।
- हालाँकि **पहली बार वर्ष 1913 में यह समारोह 8 मार्च को मनाया गया था** और तब से इसी दिन मनाया जाता है।
- **वर्ष 1975 में** संयुक्त राष्ट्र **द्वारा पहली बार** अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पहली बार संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1975 में मनाया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-queen-on-the-wheel